

الدرس الثالثون

الخليفة علي بن أبي طالب (رضي الله عنه)

علي بن أبي طالب بن عبد المطلب ابن عم الرسول (صلى الله عليه وسلم)، وتزوج ابنته فاطمة الزهراء. ولد قبل الهجرة بإحدى وعشرين سنة. نشأ على (رضي الله عنه) في بيت رسول الله (صلى الله عليه وسلم)، واهتدى بهديه. ولما بعث الرسول كان علي (رضي الله عنه) أول من آمن به من الصبيان وهو دون الثالثة عشرة من عمره. وقد قدم نفسه فداء للرسول يوم أن بات في فراشه ليلة الهجرة. مع أنه كان يعلم أن المشركين قد اتفقوا على قتله (عليه الصلاة والسلام). واشترك في جميع الغزوات، عدا غزوة تبوك.

وكان رضي الله عنه ذكيا اشتهر بالفصاحة والشجاعة والمروءة والوفاء واحترام العهود ولعل أفضل دليل على شجاعته (رضي الله عنه) اختيار الرسول (صلى الله عليه وسلم) له لفتح خيبر.

اختلف المسلمون فيما بينهم على من يتولى الخلافة بعد استشهاد عثمان (رضي الله عنه). فبايع قسم منهم عليا وقسم عارض بيعته، ولكن الغالبية كانت من المؤيدين له بالخلافة. ولاختلاف المسلمين رأى علي (رضي الله عنه) أن من الحكمة أن ينقل مركز الخلافة من المدينة إلى الكوفة حيث توجد الكثرة من أنصاره.

استشهد (رضي الله عنه) في ١٧ رمضان سنة ٤٠ هـ وبويع ابنه الحسن بالخلافة الذي تنازل عنها لمعاوية بن أبي سفيان – مؤسس الدولة الأموية – زاهدا فيها ومنعا لسفك دماء المسلمين وذلك سنة ٤١ هـ.

المفردات والعبارات

руководствоваться	إِهْتَدَى
страд. быть посланным	بُعِثَ
мальчик, юноша	صَبِيٌّ (صَبِيَّانٌ)
1) избавление, спасение 2) жертва 3) искупление	فِدَاءٌ
постель	فِرَاشٌ (فُرْشٌ)
ночевать	بَاتَ
многобожник, язычник	مُشْرِكٌ (وَن)
участвовать	إِشْتَرَكَ
умный	ذَكِيٌّ (أَذْكِيَاءٌ)
прославляться	إِشْتَهَرَ
красноречие	فَصَاحَةٌ
храбрость	شُجَاعَةٌ
1) мужество, доблесть 2) щедрость	مُرُوَّةٌ
1) верность, оплата 2) исполнение	وَفَاءٌ
возможно, вероятно	لَعَلَّ
1) быть различным, разнообразным 2) быть несогласным	إِخْتَلَفَ
1) противодействовать, противиться 2) противоречить	عَارَضَ

присяга	بَيْعَةٌ
поддерживающий	مُؤَيِّدٌ (ون)
центр	مَرْكَزٌ (مَرَكَزُ)
1) помогающий 2) мединские сподвижники пророка	نَاصِرٌ (أَنْصَارُ)
1) нисходить 2) уступать, отказываться	تَنَازَلَ عَنْ
основатель	مُؤَسِّسٌ (ون)
1) воздержанный 2) набожный 3) аскет	زَاهِدٌ (زُهَّادٌ)
1) запрещение, запрет 2) отказ	مَنْعٌ
кровопролитие	سَفْكُ الدِّمَاءِ

تدريبات

١ - شكّلوا وترجموا نص " الخليفة علي بن أبي طالب (رضي الله عنه) ":

٢ - شكّلوا الجمل الآتية وترجموها، وأجيبوا عن الأسئلة:

(١) من يكون علي بن أبي طالب بالرسول (صلى الله عليه وسلم)؟

(٢) ما أبرز صفات علي (رضي الله عنه)؟

(٣) متى استشهد علي (رضي الله عنه)؟

(٤) كيف تم انتخاب علي خليفة للمسلمين بعد عثمان (رضي الله عنهما)؟

(٥) أين انتقل مركز الخلافة بعد المدينة؟

(٦) كم بلغ علي بن أبي طالب (رضي الله عنه) من العمر عندما أصبح خليفة؟

(٧) أين ولد علي (رضي الله عنه)؟

٨) كم سنة حكم علي (رضي الله عنه)؟

٩) هل حضر علي (رضي الله عنه) جميع الغزوات مع الرسول (صلى الله عليه وسلم) أم لا؟

١٠) كم كان عمر علي (رضي الله عنه) عندما أسلم؟

٣ - أدخلوا الكلمات الآتية في جمل:

- استشهد؛

- حكم؛

- غزوات؛

- رسول؛

- مركز.

- شكلوا و ترجموا الفقرة الآتية إلى اللغة الروسية:

عقد الرسول (صلى الله عليه وسلم) إتفاقا مع القبائل اليهودية في المدينة، تعهد اليهود فيه بعدم الغدر بالمسلمين. ولكن اليهود نقضوا العهد، لأنهم شعب معروف بغدره. فأخبرهم الرسول من المدينة إلى أقرباء لهم في شمال خيبر. ومن هناك بدؤوا يدبرون المؤامرات، فلاحقهم الرسول (صلى الله عليه وسلم). واحتل معظم حصونهم، ثم إختار الرسول (صلى الله عليه وسلم) علي بن أبي طالب (رضي الله عنه) وأمره بالانتجاء إلى خيبر حيث سار علي (رضي الله عنه) متوكلا على الله ومعه المسلمون لفتح خيبر، وهناك اشتبك

مع الأعداء، وأثناء المعركة ضربه يهودى ضربة أوقعت الترس من يده. فتناول على (رضي الله عنه) بابا عند الحصن عوضا عن الترس. وبقي على (رضي الله عنه) والمسلمون يقاتلون حتى كتب لهم النصر وتم لهم الاستيلاء على خيبر وعلى حصنها.

٥ – ترجموا الجمل الآتية إلى اللغة العربية:

- 1) Али бин Абу Талиб (Да будет доволен им Аллах) был сыном дяди посланника Аллаха (Да благословит его Аллах и да приветствует).
- 2) Али (Да будет доволен им Аллах) был женат на дочери пророка (мир ему) Фатиме, да будет доволен ею Аллах.
- 3) Али (Да будет доволен им Аллах) был одним из праведных халифов и одним из десяти, которым был обещан рай.
- 4) Али (Да будет доволен им Аллах) получил прозвище “Абу-с-сибтейн” (отец двух внуков), то есть отец внуков пророка (Да благословит его Аллах и приветствует), аль-Хасана и аль-Хусейна (Да будет доволен Аллах ими обоими).
- 5) Али (Да будет доволен им Аллах) был первым, кто намеревался в случае необходимости пожертвовать собой ради посланника Аллаха (Да благословит его Аллах и приветствует).
- 6) Именно Али (Да будет доволен им Аллах), зная о том, что многобожники стоворились убить посланника Аллаха (Да благословит его Аллах и приветствует), улёгся в его постель в ту ночь, когда пророк (Да благословит его Аллах и приветствует) покинул Мекку с Абу Бакром (Да будет доволен им Аллах).
- 7) Али (Да будет доволен им Аллах) принимал участие во всех военных походах мусульман, за исключением похода на Табук.
- 8) Али (Да будет доволен им Аллах) умер 17-го рамадана 40 г. хиджры, получив смертельную рану.
- 9) После смерти Али иракцы принесли присягу его сыну Хасану (Да будет доволен Аллах ими обоими) .
- 10) Пророк (Да благословит его Аллах и приветствует), сказал об Хасане (Да будет доволен им Аллах): «Поистине, этот мой сын является сейидом (господином), и может случиться так, что через него Аллах приведёт к примирению две большие группы мусульман».

٦ - ترجموا العبارات الآتية، وأدخلوها في جمل:

- 1) военные походы;
- 2) получить прозвище;
- 3) отец внуков пророка;
- 4) пожертвовать собой;
- 5) стовориться убить;
- 6) получить смертельную рану;
- 7) привести к примирению;
- 8) приносить присягу;
- 9) группы мусульман;
- 10) дочь пророка.

٧ - صرفوا الأفعال الآتية في المضارع:

- يختلف؛

- يبين؛

- يدعو؛

- يمر.

٨ - أكملوا الجمل الآتية:

(١) كان (رضي الله عنه) عن . . . اشتهر . . . والشجاعة والمروءة
والوفاء . . .

(٢) ولما بُعث الرسول ... كان على ... أول . . . به من الصبيان وهو
دون . . . عشرة من عمره.

(٣) علي بن أبي طالب (رضي الله عنه) بن عبد المطلب ابن عم الرسول
(صلى الله عليه وسلم) وتزوج ابنته ... ولد قبل الهجرة باحدى و... سنة.

٤) كان علي (رضي الله عنه) أول من آمن به من ... وهو دون الثالثة ...
من عمره

٥) كان علي (رضي الله عنه) ذكيا اشتهر بالفصاحة و... والمروءة والوفاء
واحترام ...